DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

संज्ञा

LIVE 19-03-2024 09:00 AM

संज्ञा

- जातिवाचक
- व्यक्तिवाचक
- भाववाचक
- समूहवाचक
- द्रव्य/पदार्थ वाचक

परिभाषा - संज्ञा विकारी शब्द है।

"किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, भाव, गुण आदि का बोध हो। उसे संज्ञा कहते हैं।"

व्यक्ति, स्थान, वस्तु, भाव, गुण

* मेरी **माता** एक शिक्षिका है।
  ↓ व्यक्ति

* यहाँ एक बड़ा **शहर** है। → स्थान

हमारे **गांव** में एक विद्यालय है। → स्थान

* यहाँ एक सुन्दर **किताब** है। → वस्तु

* उसके मन में **खुशी** है। → भाव

* मेरे पास एक **सफेद** कुत्ता है। → गुण

* मुख्य | रचना | व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के भेद - 3 (आधुनिक)

(i)- जातिवाचक — समूह, द्रव्य

(ii)- व्यक्तिवाचक

(iii)- भाववाचक

* प्राचीन हिन्दी के अनुसार संज्ञा के पाँच भेद होते हैं।

* संज्ञा मूल रूप से दो प्रकार की होती है।

(i)- यथार्थवाचक संज्ञा -(दृश्य) (जाति, व्यक्ति, समूह, द्रव्य)

(ii)- भाववाचक संज्ञा -(अदृश्य) (गणना नहीं की जा सकती)

1. जातिवाचक संज्ञा - जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्तियों की सम्पूर्ण जाति का बोध हो उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

ट्रिक - दृश्य + बहुवचन + जिसके जैसे और हो

ग्रन्थ — ग्रन्थों — ग्रन्थ

लड़का — लड़कों

- जैसे:- पशु–पक्षियों के नाम - बैल, घोड़ा, तोता, मैना, चील, बाज इत्यादि
- सम्बन्धियों, पदों के नाम - भाई, बहन, माँ, डॉक्टर, मंत्री, प्रधानमंत्री, वकील, अध्यापक, लेखक, आदि
- वस्तुओं व अन्य नाम - मकान, कुर्सी, मेज, पुस्तक, राज्य, नगर, शहर, पौधे, पेड़, फल, नदी, पर्वत, फूल आदि
- प्राकृतिक तत्वों के नाम - बिजली, वर्षा, भूकम्प, आँधी, तूफान, ज्वालामुखी आदि।

जातिवाचक संज्ञा

गाँधी अपने समय के कृष्ण थे। जाति

समुद्रगुप्त भारत का नेपोलियन था।

आज भी भारत में श्रवण कुमार पैदा होते है।

वह झूठ नहीं बोल सकता है। वह तो बिल्कुल हरिश्चन्द्र है।

कलियुग में हरिश्चन्द्रों की कमी नही है।

हमें भारत में जयचन्दों पर कड़ी नजर रखनी चाहिये।

हमारे देश में जयचन्दों की कमी नहीं है।

यहाँ हरिश्चन्द्र व्यक्तिवाचक संज्ञा उसके सत्य और निष्ठा के गुण को प्रकट करने से जातिवाचक संज्ञा बनी।

यहाँ जयचन्द शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हुए भी उसके विश्वासघात गुण को प्रकट करने के कारण अन्य व्यक्तियों का बोध कराती है। अतः यह जातिवाचक संज्ञा है।

2. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** - जो शब्द किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति के नाम का बोध कराते है उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है

ट्रिक - दृश्य + सदैव एकवचन + दुनिया में अकेला हो (जिसके जैसे और न हो)

जाति

➢ जैसे– देशों के नाम – भारत, श्रीलंका, जापान, भूटान, चीन, म्यांमार, नेपाल आदि।

➢ नदी व झीलों के नाम – गंगा, यमुना, बह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, डल, बैकाल आदि।

➢ व्यक्तियों के नाम – राम, कृष्ण, श्याम, सीता, गीता, मोहन, सोहन, रोहित, केशव, गौतमबुद्ध आदि।

➢ ग्रन्थों के नाम – रामायण, पद्मावत, महाभारत, साकेंत, कामायनी, कुरान आदि।

➢ दिनों के नाम – सोम, मंगल, बुद्ध, गुरु, शनि आदि।

➢ शहरों के नाम – लखनऊ, गोरखपुर, आगरा, ग्वालियर, इलाहाबाद आदि।

➢ समाचार पत्र के नाम – हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक जागरण, नवभारत टाइम्स, अमर उजाला आदि।